PG/IVS/HIN/402/24(New)

M.A. 4th Semester Examination, 2024

HINDI

(*अनुवाद विज्ञान*)

PAPER—HIN-402(New)

Full Marks : 50

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2

   (*क*) अनुवाद का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उसके विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।

   (*ख*) अनुवाद की समस्याओं पर विचार कीजिए ।

(*ग*) अनुवाद के विभिन्न उपकरणों की चर्चा करते हुए कोश के महत्व को रेखांकित कीजिए ।

(*घ*) अनुवाद में अर्थान्तरण की प्रक्रिया को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

GROUP – A

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणी लिखिए : 5×2

(*क*) अनुवाद का महत्व

(*ख*) शब्दानुवाद एवं भावानुवाद में अन्तर

(*ग*) लिप्यंतरण

(*घ*) कम्प्यूटर ।

GROUP – B

3. (*क*) निम्नलिखित गद्यांश का *हिन्दी* में अनुवाद कीजिए : 5×1

The world can be good and pure, only if our lives are good and pure. If it is an

effect, and we are the means so let us make ourselves perfect. What is the use of fighting and complaining ? That will not help us to better things. Do not fly away from the wheel of the world machine, but stand inside it and learn the secret of work. Go from village to village, do good to humanity and to the world at large.

(*ख*) निम्नलिखित अवतरण का *अंग्रेजी* अनुवाद कीजिए : 5×1

गांधीजी की ऐतिहासिक उपस्थिति का सबसे बड़ा महत्व यह है कि उन्होंने सिद्धान्त और व्यावहार, दोनों में 'स्वयं' और 'अन्य' के बीच समाज के ऐसे बँटवारे का निषेध किया । उनका यह निषेध सिर्फ अपने ही समाज तक सीमित नहीं था । ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरूद्ध संघर्ष करते हुए भी ब्रिटिशों से घृणा न करना उनके लिए उतना ही स्वाभाविक था जितना कि उनके बहुत से समकालीनों के लिए अटपटा और अबोधगम्य । गांधीजी

जिस तरह हिन्दु होने को मुसलमान के प्रति स्थायी शत्रुता से परिभाषित नहीं करते थे, उसी तरह से वे अछूत के प्रति अपने लगाव को भी सवर्णो के प्रति आक्रोश से परिभाषित नहीं कर सकते थे ।

[Internal Assessment — 10 Marks]